

23/9/25

पत्रावली पेश की उसपर पत्र के अधिपत्र
उपस्थित है। प्राची वही लु दारा विवेक
विषय तदधीन दार का दायरा दारा मोका
विशेष विचार्य जरी उसमें भाषागत का
वास्तु उपलब्ध है जिसमें उपप्राची गण
उसमें भाषागत कर रहे हैं। काशी प्राची गणों
उस अपनी स्वतन्त्र दारी मुक्ति में माने जाने
के लिए वास्तु उपलब्ध है। रमोर राते
की आवश्यकता नहीं है। उपरण में आने
की कार्यवाही शीघ्र बन्द करवा जाने की
कस गफ। पत्रावली पु पु मोका विवेक का
केवलिकु विचार्य जरी माने जाने का वास्तु
उपलब्ध है। तदधीन दार दायरा के मोका
विशेष विचार्य पर उपरण में कार्यवाही
शीघ्र की जाती है। उपरण इस लक्ष्य पर
पुनः सुझा विचार्य का न कस है।

सहायक कमिश्नर
(ए.डी.ओ.) रायपुर